भारतात्मा अशोकजी सिंघल आदर्श वेदाध्यापक पुरस्कार-२०१९

आवेदन हेतु आवश्यक दिशानिर्देश

सिंघल फॉउण्डेशन द्वारा विजेता के आंकलन का मूल आधार आपका आवेदन पत्र ही है | इसलिए आप आवेदन पत्र में मांगी गई सभी जानकारी सोच-समझकर पूर्ण रूप से भरें | यदि कोई भी जानकारी अधूरी अथवा अपूर्ण रही तो आपका स्थान आंकलन में पिछड़ सकता है |

आवेदन पत्र भरने से पूर्व आवेदन हेतु योग्यताओं/नियमों एवं दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझ लें |

अध्यापक योग्यता के मानदण्ड

वर्तमान में आपका श्रुति परंपरा से वेद का पूर्णकालिक अध्यापक होना आवश्यक है | यदि आप वर्तमान में केंद्र/राज्य सरकार, न्यास, मठ द्वारा संचालित गुरुकुल, वेदविद्यालय, महाविद्यालय में कार्यरत हैं, अथवा अपने घर में चल रहे गुरुकुल में कुमाराध्यापक या एकमात्र अध्यापक हैं तो आपकी पात्रता है |

यदि आप उपर्युक्त परिभाषा से अध्यापक हैं तब आपको भारतात्मा पुरस्कार के निम्नलिखित सभी योग्यता मानदंडों को भी पूरा करना आवश्यक है | यदि इनमें से एक भी मानदण्ड आप पूरा नहीं करते हैं तो आपकी पात्रता नहीं है | यदि आपके मन में इन मानदंडों के पूरा होने में कोई संदेह है, तब आप आपना आवेदन यथायोग्य पूरा कर अवश्य भेजें, सिंघल फॉउण्डेशन उसका आंकलन करते समय आपसे संपर्क कर आपके आवेदन पत्र को संशोधित कर लेगा |

1. आपने न्यूनतम “स्तर-२” की योग्यताएं प्राप्त कर ली हैं | नीचे सभी वेदों की समकक्षता की सारणी दी हुई है, उस सारणी के अनुसार अपनी योग्यता का स्तर जाँच लें |
2. आप कम से कम पिछले दस वर्षों से निरंतर वेदाध्यापन कर रहे हैं |
3. यदि आप कुमाराध्यापक हैं या अपने गुरुकुल के एकमात्र अध्यापक हैं तो वर्तमान में आपके तीन या तीन से अधिक शिष्य हैं |
4. यदि आप किसी अन्य विद्यालय में पढ़ा रहे हैं तो वर्तमान में आपके पांच या पांच से अधिक शिष्य हैं |
5. आप पूर्व में आदर्श वेदाध्यापक श्रेणी में भारतात्मा अशोकजी सिंघल वैदिक पुरस्कार का विजेता नहीं रहे है | केवल पिछले वर्षों के विजेता ही अयोग्य माने जाएंगे, पूर्व आवेदक या पूर्व वर्षों के द्वितीय अथवा तृतीय स्थान पर रहे अध्यापक योग्य हैं |

***वेदाध्ययन समकक्षता सूची**

अध्ययन स्तर	ऋग्वेद	कृष्ण यजुर्वेद	शुक्ल यजुर्वेद	सामवेद	अथर्ववेद
स्तर-1	क्रमपाठ	क्रमपाठ	क्रमपाठ	सम्पूर्ण आर्चिक संहिता, प्रकृतिगानसे महानाम तक, सम्पूर्ण छान्दोग्यमंत्र ब्राह्मण	सम्पूर्ण अथर्ववेद संहिता, गोपथ ब्राहमण,मुण्ड, माण्डुक्य उपनिषद्, माण्डुकीशिक्षा कौशिक गृह्यसूत्र, वैखानस श्रौतसूत्र
स्तर-2	घनपाठ	घनपाठ	घनपाठ (बृहदारण्यक के साथ)	सामवेद संहिता के पूर्वार्चिक और उत्तरार्चिक का समूर्ण पदपाठ, ऊहगान, रहस्यगान और सम्पूर्ण छान्दोग्यपनिषद्	उपर्युक्त और अथर्वज्योतिष, कौश्यनिघंटु, पिङ्गलनागछन्दसूत्र, अष्टाध्यायी, संहिता पञ्चलक्षणभाष्य

<u>आवेदन पत्र भरने सम्बन्धित विशेष जानकारी</u>

1. आपके आवेदन का उचित रूप से मूल्याङ्कन करने के लिए आवेदन पत्र में आपसे सम्बन्धित व्यापक किन्तु आवश्यक जानकारी मांगी गई है | ये सभी जानकारी आपके आवेदन का आंकलन करने के लिए आवश्यक है | पूरी जानकारी और सभी अभिलेख/प्रमाण/अनुबंध उपलब्ध करना आवश्यक है |
2. आपका आवेदन पत्र सिंघल फॉउण्डेशन के कार्यालय में **१५ जून २०१९ सांयकाल ८ बजे तक** पहुँच जाना चाहिए | विलम्ब से प्राप्त आवेदन इस वर्ष के पुरस्कार हेतु नहीं लिए जाएँगे | आवेदन नीचे दिए गए पते पर डाक या कूरियर अथवा नीचे दिए गए email ID पर ई-मेल से भेजे जा सकते हैं | आवेदन प्राप्त होने पर आपको SMS/ email द्वारा सूचना भेजी जाएगी |
3. सिंघल फॉउण्डेशन का सारा कार्य हिंदी में होता है इसलिए आवेदन पत्र हिंदी में ही भरे | यदि आप आवेदन पत्र हस्तलेखन से भर रहे हैं तो लिखाई स्पष्ट हो | आप चाहें तो आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में हिंदी में टाईप करके भी भेज सकते है | आवेदन पत्र में किसी प्रकार की त्रुटि एवं काटछाँट न हो तथा प्रत्येक कॉलम में चाही गई जानकारी पूर्ण एवं स्पष्ट हो |
4. आवेदन पत्र में प्रश्न आ-४, आ-७, आ-८ में आपसे विभिन्न प्रमाण पत्र मांगे गए हैं | कृपया प्रत्येक प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी ही आवेदन के साथ भेजें | मूल (ऑरिजनल) प्रमाण पत्रों को आवेदन के साथ नहीं भेजें | किसी के मूल प्रमाण पत्र को वापस लौटाने का दायित्व सिंघल फॉउण्डेशन का नहीं होगा |
5. आवेदन पत्र से संलग्न कोई प्रमाण पत्र, सर्टिफिकेट, मार्कशीट इत्यादि, यदि हिंदी, संस्कृत या अंग्रेजी में न होकर किसी अन्य भाषा/लिपि में हो तो कृपया उस प्रमाण पत्र का विषय, विद्यार्थी का नाम व प्रमाणपत्र की तारीख का हिंदी/English अनुवाद उसकी फोटो कॉपी पर लिख दें | इससे सिंघल फॉउण्डेशन द्वारा आंकलन में गलती होने की संभावना घटेगी |

6. सभी जानकारी शब्दों अथवा अंकों में ही हो, रेखा या बिंदु में नहीं हो | कोई भी आवश्यक कॉलम खाली नहीं छोड़ा जाए | आवेदन पत्र में निर्धारित स्थान के अलावा अन्य किसी भी स्थान पर नाम, पता, संपर्कसंख्या अथवा किसी भी प्रकार का पहचान चिह्न अंकित नहीं करें |
7. आवेदन पत्र का भाग 'ऊ' में दिए गए शपथ पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझने के बाद ही हस्ताक्षर करें | यदि आप केंद्र/राज्य सरकार, संस्था, न्यास, मठ द्वारा संचालित गुरुकुल, वेदविद्यालय, महाविद्यालय में कार्यरत हैं तो आपकी संस्थाप्रमुख को भी शपथपत्र देना आवश्यक है |
8. आवेदन पत्र का भाग 'ए' में आवेदन के साथ भेजे जा रहे सभी अनुबंध, प्रमाण पत्र, सर्टिफिकेट, मार्कशीट इ. (attachments) की सूची बनाएँ | ऐसा करने से आवेदन पत्र की पूर्णता प्राप्त होने पर जांची जा सकती है |
9. आवेदन भेजने के बाद यदि आपके पते, मोबाईल न. या email ID में कोई परिवर्तन हो तो सिंघल फॉउण्डेशन को तुरंत सूचित करें | सूचना नीचे दिए गए मोबाईल न. पर SMS या email ID पर email द्वारा भेजी जा सकती है | मौखिक जानकारी स्वीकार नहीं होगी |
10. Email से आवेदन भेजने के लिए पूरे आवेदन पत्र व सभी अनुबंध को scan कर pdf file बनाएँ | ध्यान रहे कि pdf file ३ MB से बड़ी न हो | यदि बड़ी है तो एक से अधिक pdf file बनाएँ | इस pdf file को applications@bharatatmapuraskar.org पर या व्हात्सप्प नं॰ +91 73576 58777 पर भेजें|
11. Registered post, Speed post अथवा Courier से आवेदन पत्र निम्न पते पर भेजें | यदि Courier से भेज रहे हैं तो निम्न फोन न. देना ना भूले |

सिंघल फॉउण्डेशन C/O सिक्योर मीटर्स लिमिटेड ई क्लास प्रताप नगर इण्डस्ट्रियल एरिया उदयपुर, राजस्थान ३१३००१	Singhal Foundation C/O Secure Meters Ltd E Class Pratap Nagar Industrial Area Udaipur, Rajasthan 313001
फोन न. +91 73576 58777	Phone N. +91 73576 58777

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वैदिक पुरस्कार-२०१९	**आदर्श वेदाध्यापक** आवेदन पत्र	पृष्ठ संख्या १ / कुल पृष्ठ ६ कोड क्रमांक	

(अ) व्यक्तिगत जानकारी

१) नाम		२) आधार कार्ड न॰	
३) जन्म तिथि		४) जन्म स्थान	
५) पिता का नाम		६) माता का नाम	
७) ऋषिगोत्र		८) स्ववेदशाखा	
९) पत्राचार हेतु पता		१०) स्थायी पता	
पिन कोड		पिन कोड	
११) मोबाईल न॰		१२) ईमेल आई डी	
१३) आवेदन सम्बन्धित चर्चा आपसे किस भाषा में की जाए?		☐ हिन्दी	☐ संस्कृत ☐ English
१४) वैवाहिक स्थिति		१६) पत्नी का नाम	

१५) आयु क्रम में सन्तान का विवरण:

नाम	पुत्र / पुत्री	आयु	वेद शिक्षा स्तर	अन्य शिक्षा

(आ) यदि आप कुमाराध्यापक हैं, या अपने घर में वेद शिक्षा प्रदान कर रहे हैं तो निम्न प्रश्नों का उत्तर दीजिये

१) पिछले पांच वर्षों में आपके गुरुकुल में शिष्यों की संख्या	औसत		२) शिष्यों की भोजन व आवास का विवरण	३) शिष्यों के स्वधर्म पालन का वर्णन
	न्यूनतम			
	अधिकतम			

पासपोर्ट फोटो यहां लगाएं	**केवल सिंघल फाउण्डेशन कार्यालय के लिये**			
	आवेदन प्राप्ति दि॰॰		अन्य टिप्पणी:	
	आवेदन जांच दि॰			
	कोड क्रमांक			
	डेटाबेस रिकॉर्ड न॰			
			योग्य ☐	अयोग्य ☐

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वैदिक पुरस्कार-२०१९	**आदर्श वेदाध्यापक** आवेदन पत्र	पृष्ठ संख्या २ / कुल पृष्ठ ६
		कोड क्रमांक

(इ) शैक्षिक योग्यता

१) अधीत वेद व वेदशाखा	

२) वेद विद्या सम्बन्धित सभी उत्तीर्ण परिक्षाओं की सूची: (सभी परीक्षाओं के प्रमाण पत्र संलग्न कीजिए)

वर्ष व माह	अध्ययन स्तर / परीक्षा का नाम	परीक्षक संस्था	प्रमाण क्रम॰

३) गुरु व गुरुकुल सम्बन्धित जानकारी

क्र॰	गुरु का नाम	परीक्षा का नाम	गुरुकुल का नाम
1			
2			
3			
4			
5			

४) यदि उपर्युक्त गुरुजन में आपके निकट परिजन हों तो नाम के आगे * चिह्न लगाकर पारिवारिक सम्बन्ध का विवरण दीजिये	

५) क्या आपने ऐसा वेद ज्ञान प्राप्त किया है जो लुप्त प्राय अथवा दुर्लभ माना जाता है? विवरण दें।	६) अधीत वेद के निम्न विषयों में आप द्वारा अर्जित शिक्षा / परीक्षण का विवरण दीजिये

विषय	वर्ष	परीक्षा बोर्ड
ब्राह्ममण		
अरण्यक		
उपनिषद्		
षडंग		
लक्षण		
भाष्य		

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वैदिक पुरस्कार-२०१९	**आदर्श वेदाध्यापक** आवेदन पत्र	पृष्ठ संख्या ३ / कुल पृष्ठ ६
		कोड क्रमांक

(ई) अध्यापन सम्बन्धी जानकारी

१) आपके वेदाध्यापन का क्रम से वर्णन

वर्ष व माह से	वर्ष व माह तक	वेद पाठशाला का नाम	स्थान व राज्य

२) वर्तमान संस्था का नाम व पूरा पता	३) संस्था प्रमुख का नाम
	४) संस्था प्रमुख का मोबाईल न॰

५) पिछले पांच वर्षों में आपके विद्यार्थियों की संख्या जो निम्न परीक्षाओं मे उत्तीर्ण हुए (देखें वेदविद्या समकक्षता सूची)					६) वर्तमान में आप द्वारा शिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों की संख्या	
वर्ष	मूलांत	क्रमांत	घनांत	कुलजोड़	शिक्षा स्तर	विद्यार्थी संख्या
2019					मूलांत	
2018					क्रमांत	
2017					घनांत	
2016					षडंग	
2015					लक्षण	
2014					भाष्य	

७) आपके जीवनकाल में आपके द्वारा शिक्षित वेद पंडितों की सूची जिन्होंने घनांत या उससे उच्च स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की	☐ अनुबन्ध-१ संलग्न है
८) वर्तमान में आप द्वारा शिक्षण प्राप्त कर रहे वेद विद्यार्थियों की सूची	☐ अनुबन्ध-२ संलग्न है
९) आपके द्वारा शिक्षित वेद पंडितों की सूचि जो शिक्षण के बाद वेदाध्यापक	☐ अनुबन्ध-३ संलग्न है
१०) दुर्लभ अथवा लुप्तप्राय वेदशाखा / वेदज्ञान के अध्ययन, अध्यापन, संरक्षण और संवर्धन के लिए आप द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख कीजिये	

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वैदिक पुरस्कार-२०१९	आदर्श वेदाध्यापक आवेदन पत्र	पृष्ठ संख्या ४ / कुल पृष्ठ ६
		कोड क्रमांक

११) क्या आपने अपने निकट परिजनों को वेद अध्ययन करवाया है? यदि हाँ, तो उनका विवरण

क्र.सं.	नाम	आपसे सम्बन्ध	अध्ययन स्तर	वर्तमान व्यवसाय

१२) वेद सम्बन्धित कार्य व साहित्य की जानकारी

क) वेदसभाओं, संगोष्ठिओं, कार्यशालाओं इत्यादि में उपस्थिति

सभा / सम्मेलन	आयोजक	वर्ष

ख) वैदिक श्रौत यज्ञादि में आपकी गतिविधि

यज्ञ कार्य	यजमान	वर्ष

ग) पुरस्कारों अथवा प्रशस्तिपत्रों की जानकारी

पुरस्कार का नाम	प्रदाता	वर्ष

घ) स्वलिखित ग्रंथ, लेख, शोधपत्र प्रकाशन की जानकारी

शीर्षक	प्रकाशक / ISBN	वर्ष

१३) क्या आपने सोम यज्ञ किया है? पूरी जानकारी दीजिये।

१४) क्या आापका आचरण वेदानुसार है? विवरण दीजिये।

<table>
<tr><td rowspan="2">भारतात्मा अशोकजी सिंघल वैदिक पुरस्कार-२०१९</td><td rowspan="2">आदर्श वेदाध्यापक
आवेदन पत्र</td><td colspan="2">पृष्ठ संख्या ५ / कुल पृष्ठ ६</td></tr>
<tr><td>कोड क्रमांक</td><td></td></tr>
<tr><td colspan="4">(३) अन्य उल्लेखनीय जानकारी (अपना उत्तर दी गई जगह तक सीमित रखिये)</td></tr>
<tr><td>१) आपके द्वारा वेद के प्रचार-प्रसार और संरक्षण के लिये किए गए मुख्य प्रयासों का उल्लेख कीजिये।</td><td colspan="3"></td></tr>
<tr><td>२) अपने वेदाध्यापन की पाँच ऐसी उप्लब्धियाँ बताएँ जिनसे आप स्वयं गौरान्वित हैं।</td><td colspan="3"></td></tr>
<tr><td>३) एक आदर्श वेदाध्यापक के गुणों का विवरण दीजिए।</td><td colspan="3"></td></tr>
<tr><td>४) आज की युवा पीढ़ी अपने दैनिक जीवन में वेद का महत्व नहीं समझती। आप ऐसे लोगों को वेद का महत्व कैसे समझाएँगे?</td><td colspan="3"></td></tr>
</table>

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वैदिक पुरस्कार-२०१९	**आदर्श वेदाध्यापक** आवेदन पत्र	पृष्ठ संख्या ६ / कुल पृष्ठ ६ कोड क्रमांक

(ऊ) इस आवेदन से संलग्न आलेखों का विवरण

1		13	
2		14	
3		15	
4		16	
5		17	
6		18	
7		19	
8		20	
9		21	
10		22	
11		23	
12		24	

(ऊ) शपथ पत्र

मैं (आवेदक का पूरा नाम) _____ एतद् द्वारा सत्यनिष्ठा से यह प्रमाणित करता हूँ कि:

- मैं वेद विद्या का वर्तमान में पूर्णकालिक अध्यापक हूँ;
- मेरा पूर्णकालिक वेदाध्यापन पिछले ____ वर्षों से निरन्तर चल रहा है;
- इस आवेदन पत्र में दी गई सभी जानकारी (उ ३ व ४ को छोड़कर) पूर्णतया सत्य हैं;
- प्रश्न सं॰ उ-३ व उ-४ के उत्तर मेरी व्यक्तिगत मान्यताओं पर आधारित हैं अथवा मेरी राय हैं | तथा
-इस आवेदन से संलग्न सभी अनुबन्धों व प्रमाण पत्रों में दी गई जानकारी सत्य है।

मैं स्वीकार करता हूँ कि यदि यह शपथ पत्र असत्य पाया गया तो मैं व मेरे सभी शिष्य हमेशा के लिये भारतात्मा पुरस्कार के लिये अयोग्य माने जा सकते हैं।

मैंने सभी तथ्यों की पुष्टि करने के बाद इस शपथपत्र पर हस्ताक्षर किये हैं। मैं इस शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करने के महत्व व निहितार्थ को पूरी तरह से समझता हूं।

आवेदक का पूरा नाम		आवेदक के हस्ताक्षर		स्थान	
				दिनांक	

यदि आप संस्था द्वारा संचालित वेद पाठशाला में अध्यापन कर रहे हैं तब संस्था प्रमुख का शपथ पत्र आवश्यक है

संस्था प्रमुख का शपथ पत्र

एतद् द्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि आवेदक इस संस्था में अध्यापक है और उपर्युक्त सम्पूर्ण जानकारी सर्वथा सत्य है।

पाठशाला का नाम			संस्थाप्रमुख के हस्ताक्षर	
संस्थाप्रमुख का नाम				
दिनांक				

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वैदिक पुरस्कार-२०१९	**आदर्श वेदाध्यापक** आवेदन पत्र	**पृष्ठ संख्या १ / कुल पृष्ठ __**	
		कोड क्रमांक	

अनुबन्ध - १ आपके जीवनकाल में आपके द्वारा शिक्षित घनान्त या उससे आगे की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची

क्र॰ सं॰	विद्यार्थी का नाम	अध्ययन	परीक्षा संस्था का नाम	वर्ष	प्रमाण पत्र

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वैदिक पुरस्कार-२०१९	**आदर्श वेदाध्यापक** आवेदन पत्र	**पृष्ठ संख्या १ / कुल पृष्ठ __**	
		कोड क्रमांक	

अनुबन्ध - २ वर्तमान में आपसे शिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों की सूची

क्रं०सं०	विद्यार्थी का नाम	आयु	वर्तमान शिक्षा स्तर	वर्ष	प्रमाण पत्र

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वैदिक पुरस्कार-२०१९

आदर्श वेदाध्यापक

आवेदन पत्र

पृष्ठ संख्या १ / कुल पृष्ठ __

कोड क्रमांक

अनुबन्ध - २ आपके जीवनकाल में आप द्वारा शिक्षित ऐसे विद्यार्थियों की सूची जो शिक्षोपरान्त वेदाध्यापन कर रहे हैं

क्र०सं०	विद्यार्थी का नाम	वर्ष जब शिक्षा समाप्त हुई	वेद शाखा	संस्था जहाँ आज अध्यापन कर रहे हैं